पराली प्रबंधन प्रमाणपत्र

मैं इंद्र सिंह सरपंच/ नम्बरदार ग्राम सोकाला ब्लॉक श्री हरगोबिन्दपुर जिला गुरदासपुर यह प्रमाणित करता हूँ कि इस वर्ष हमारे गाँव में धान की पराली के प्रबंधन हेतु फीडबेक फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कृषि विभाग ब्लाक श्री हरगोबिन्दपुर के सहयोग से पराली प्रबंधन हेतु गाँव वालों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया |

चर्चा के दौरान संस्था के प्रतिनिधियों ने पराली प्रबंधन के विभिन्न तरीकों जैसे - बेलर मशीन का प्रयोग , सुपर सीडर द्वारा पराली को खेत में मिलाना , पराली का चारे के लिए प्रयोग अथवा परली से कमपोष्ट बनाना आदि के बारे में किसानो से बात किया और इस तथ्य पर बल दिया की आप पराली प्रबंधन के लिए चाहे जिस भी तरीके का प्रयोग करें पर पराली को जलाएं नहीं । गाँव के किसानो ने उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करते हुए अपने पराली का समुचित प्रबंधन किया जिसके परिणामस्वरूप हमारे गाँव में 284.89 हेक्टेयर धान की पराली को जलने से बचाया जा सका | किसानो द्वारा पराली को जलने से बचाने के लिए जिन तरीकों का प्रयोग किया गया उनका विवरण और उसके परिणाम निम्नांकित तालिका में उपलब्ध है |

क्रमांक	पराली प्रबंधन का तरीका	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1	बेलर मशीन द्वारा	239.16
2	गुज्जर समुदाय के लोंगो द्वारा पशु चारा प्रयोग हेतु	25.09
3	किसानो द्वारा स्वयं के प्रयोग हेतु	7.68
4	रोटावेटर मशीन द्वारा खेत में मिला दिया गया	1.61
5	सुपरसीडर मशीन द्वारा खेत में मिला दिया गया	3.64
6	कमपोष्ट बनाकर	
7	अन्य	7.68
	कुल योग	284.89

उपरोक्त विवरण गाँव में पराली प्रबंधन के उपरान्त CRM Volunteer द्वारा गाँव में किसानो के साथ किये गए सर्वे पर आधारित है |

ਸਰਪੰਚ ਇੰਦਰ ਸਿੰਘ

दिनांक : 26/12/24

ਸਰਪੰਚ
ਗ੍ਰਾਮ ਪੰਚਾਇਤ ਸੁਕਾਲਾ
[illegible] (ਗੁਰਦਾਸਪੁਰ)

हस्ताक्षर सरपंच/नम्बरदार

ग्राम – सोकाला

ब्लॉक – श्री हरगोबिन्दपुर

जिला – गुरदासपुर

Scanned with OKEN Scanner